विज्ञान है इसे कर के देखो

हमारे आसपास कई तरह की चीज़ें हैं। इन्हें जानने-समझने के लिए हम कई तरीके अपनाते हैं। जैसे- देखना, सुनना, छूना आदि। इस बार इन्हीं से जुड़े कुछ प्रयोग करते हैं।

आँख व रोशनी

अपने एक दोस्त की आँखों को देखो और ध्यान दो कि उसकी आँख की पुतली कितनी बड़ी है। अब उसकी एक आँख पर टार्च से रोशनी डालो। क्या आँख की पुतली पर कुछ फर्क पड़ा?

ताली का खेल..!

एक दोस्त की आँखों पर पट्टी बाँध दो। बाकी चार दोस्त उससे थोड़ी-थोड़ी दूरी पर खड़े हो जाएँ। एक उसके ठीक सामने, एक ठीक पीछे, एक दाएँ और एक बाएँ। अब सभी दोस्त बारी-बारी से ताली बजाएँ और आँख में पट्टी बँधने वाला दोस्त यह बताए कि आवाज़ किस ओर से आ रही है?

हथेली में लकीर या कुछ और..?

कागज़ को लपेटकर नली बना लो। उसे एक आँख के सामने रखकर देखो। लेकिन दोनों आँखें खुली रखना। अब अपनी एक हथेली को दूसरी आँख के सामने नली से सटाकर देखो। क्या हथेली में कुछ दिखाई पड़ा?

एक से भले दो..!

अपने दोस्त से कहो कि वह तुमसे करीबन 3-4 सेंटीमीटर की दूरी पर पेंसिल रखे। अब तुम अपनी एक आँख बन्द करके एक दूसरी पेंसिल की नोंक को इस पेंसिल की नोंक पर रखने की कोशिश करो। क्या हुआ.... क्या कर पाए। अब यही प्रयोग दोनों आँखें खोलकर करो।

गर्म... या ठण्डा..?

तीन गिलास लो। एक में गर्म, दूसरे में कुनकुना व तीसरे में ठण्डा पानी लो। एक हाथ की उँगली गर्म पानी में व दूसरे हाथ की ठण्डे पानी में डालो। लगभग आधे घण्टे मिनट बाद दोनों उँगलियों को कुनकुने पानी में डालो। क्या हुआ.....?